Najudevi Jain

मेरे मृत्यु के बाद मेरे भाई बहिन बेटीया व अन्य सम्बन्धीयो का कोई हक नही रहेगा।

यह वसीयतनामा मे पूर्ण स्वस्थ दिमाग से समक्ष बनाया है तथा किसी के भी दबाव मे आकर नही किया है। मेरी इच्छानुसार ही वसीयतनामा किया है।

मेरी मृत्यु के बाद ही वसीयतनामा लागु होगा तथा मुझे इसको कभी भी फेर बदल करने का सम्पूर्ण हक है।

मैंने यह वसीयतनामा पर [illegible] दिये गवाहो के समक्ष किये हैं।

नाजुदेवी जैन

श्रीमती नाजुदेवी जैनने इस वसीयतनामा पर हस्ताक्षर हमारे समक्ष किये।

1. (JAYANTILAL BAFNA)

2. (DINESH. S. SINGH)

दिनॉक 2 अप्रेल 2004.

910

TRUE COPY

Registrar (O.S.)/

507 MAJESTIC SHOPPING CENTRE
144, GIRGAON ROAD
MUMBAI - 400 004
TEL 3829546/47/48
FAX (022) 3868790
RES 3864367 • 3800531

Najudevi Jain

वसीयतनामा   02-04-2004

मैं नाजुदेवी जैन w/o श्री पारसमलजी जैन उम्र ८२ वर्ष स्वस्थ दिमाग से मेरी चल अचल सम्पति का वसीयतनामा करती हूँ।

मेरा स्वास्थ्य बराबर नही होने की वजह से मेरी सम्पति का वसीयतनामा करती हुँ मुझे करीब पाँच आठ वर्ष से मधुमेह रोग से पिडीत व ग्रसीत हुँ तथा दवाई पर निर्भर रहना पड़ता है।

मैने इस वसीयतनामा के पहले कोई वसीयत नामा नहीं बनाया है यह मेरा अंतिम वसीयतनामा है।

मैं मेरा वसीयतनामा को लागु करने के लिए निम्नलिखीत लोगो को नियुक्त करती हुँ।

1. दिलीप जैन (पुत्र)
2. गुमानमलजी छोकड़

30-4 93

✓